Series JSR/1

Set 2

कोड नं.
Code No. **4/1/2**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा –II

SUMMATIVE ASSESSMENT-II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे] *[अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours] *[Maximum marks : 90*

निर्देश:

1. *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं-क, ख, ग और घ।*
2. *चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*
3. *यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।*

[P.T.O.

खंड 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×4=8

वह जागता है
रात के सन्नाटे में
दिन का कोलाहल उसे सोने नहीं देता
वह अरमानों को सँजोता है और
सिर्फ अपने लिए जीता है।
रात के सन्नाटे में वह सोच पाता है, विवेक को जगा पाता है
तभी तो दिन को बर्दाश्त कर पाता है !
वह परेशान है दिन के कोलाहल से,
वही ढोंग, दिखावा, झूठे रिश्ते,
छल, छद्म और पाखंड दम घुटता है उसका
इसीलिए जागना चाहता है
रात के सन्नाटे में।

(क) काव्यांश में दिन और रात किस बात के प्रतीक माने गए हैं?

(ख) विवेक किसे कहा जाता है? कवि का विवेक कब जागता है?

(ग) कवि को दिन में परेशानी क्यों होती है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए : ''तभी तो दिन को बर्दाश्त कर पाता है ! ''

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×6=12

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ एक तरफ भौतिक समृद्धि अपनी ऊँचाई पर है, तो दूसरी तरफ चारित्रिक पतन की गहराई है। आधुनिकीकरण में उलझा मानव सफलता की नित नई परिभाषाएँ खोजता रहता है और अपनी अंतहीन इच्छाओं के रेगिस्तान में भटकता रहता है। ऐसे समय में सच्ची सफलता और सुख–शांति की प्यास से व्याकुल व्यक्ति अनेक मानसिक रोगों का शिकार बनता जा रहा है। हममें से कितने लोगों को इस बात का ज्ञान है कि जीवन में सफलता प्राप्त करना और सफल जीवन जीना, यह दोनों दो अलग–अलग बातें हैं। यह ज़रूरी नहीं कि जिसने अपने जीवन में साधारण कामनाओं को हासिल कर लिया हो, वह पूर्णत: संतुष्ट और प्रसन्न भी हो। अत: हमें गंभीरतापूर्वक इस बात को समझना चाहिए कि इच्छित फल को प्राप्त कर लेना ही सफलता नहीं है। जब तक हम अपने जीवन में नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों का सिंचन नहीं करेंगे, तब तक यथार्थ सफलता पाना हमारे लिए मुश्किल ही नहीं, अपितु असंभव कार्य हो जाएगा, क्योंकि बिना मूल्यों के प्राप्त सफलता केवल क्षणभंगुर सुख के समान रहती है।

कुछ निराशावादी लोगों का कहना है कि हम सफल नहीं हो सकते, क्योंकि हमारी तकदीर या परिस्थितियाँ ही ऐसी हैं। परंतु यदि हम अपना ध्येय निश्चित करके उसे अपने मन में बिठा लें, तो फिर सफलता स्वयं हमारी ओर चलकर आएगी। सफल होना हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, परंतु यदि हम अपनी विफलताओं के बारे में ही सोचते रहेंगे, तो सफलता को कभी हासिल नहीं कर पाएँगी। अत: विफलताओं की चिंता न करें, क्योंकि वे तो हमारे जीवन का सौंदर्य हैं और संघर्ष जीवन का काव्य है, कई बार प्रथम आघात में पत्थर नहीं टूट पाता, उसे तोड़ने के लिए कई आघात

करने पड़ते हैं, इसलिए सदैव अपने लक्ष्य को सामने रख आगे बढ़ने की जरूरत है। कहा भी गया है कि जीवन में सकारात्मक कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(क) मनुष्य के मानसिक रोग और अशांति का कारण किसे माना गया है?

(ख) सफलता पाना और सफल जीवन जीना दोनों बातें अलग कैसे हैं?

(ग) गद्यांश में जीवन का सौंदर्य और संघर्ष किसे बताया गया है? क्यों?

(घ) पत्थर का उदाहरण क्यों दिया गया है?

(ङ) वास्तविक सफलता पाने के लिए क्या आवश्यक है और क्यों?

(च) आशय स्पष्ट कीजिए : "संघर्ष जीवन का काव्य है।"

खंड 'ख'

3. शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण सहित समझाइए। 1+1=2

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×3=3

(i) जब-जब प्राकृतिक आपदा आती है, लोग दिल खोलकर सहायता करते हैं। (रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए)

(ii) शिक्षक के आते ही वहाँ सन्नाटा छा गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(iii) लाल कमीज पहनकर आने वाला व्यक्ति मेरा पड़ोसी है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

5. निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1+1=2

(क) कर्मफल, हिसाब-किताब

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए : 1+1=2

मिट्टी जैसा मैला, हाथ से बनाया हुआ

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : 1×4=4

(क) फलों का रस मेरे को नहीं पीना।

(ख) कृपया आप यहाँ से जाने की कृपा करें।

(ग) हमारे घर में आज बहुत सा मेहमान आया है।

(घ) उसे बैंक से रुपए निकालने चाहिएँ।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाय : 1+1=2

सिर मारना, मुट्ठी गरम करना।

खंड 'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) ख्यूक्रिन कौन था? उसने मुआवजा पाने की क्या दलील दी?

(ख) 'गिन्नी का सोना' पाठ में शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

(ग) सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या उद्देश्य था?

9. 'गिरगिट' कहानी के इस शीर्षक के औचित्य पर अपने विचार विस्तार से व्यक्त कीजिए। 5

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

अकसर हम या तो गुजरे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए।

(क) गद्यांश में लेखक ने किन बातों में उलझे रहने की बात कही है?

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए : "असल में दोनों काल मिथ्या हैं"।

(ग) लेखक ने सत्य किसे कहा है और क्यों?

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+1=5

(क) बिहारी ने जगत को तपोवन क्यों कहा है और इससे क्या संदेश देना चाहा है?

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' में कवयित्री के दीपक से ज्वाला-कण कौन माँग रहे हैं और क्यों?

(ग) 'आत्मत्राण' कविता में कवि किससे और क्या प्रार्थना करता है?

15. बस में यात्रा करते हुए आपका एक बैग छूट गया था जिसमें ज़रूरी कागज़ और रुपए थे। उसे बस कंडक्टर ने आपके घर आकर लौटा दिया। उसकी प्रशंसा करते हुए परिवहन निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखिए। 5

16. विद्यालय के वार्षिकोत्सव की सूचना साहित्यिक क्लब की 'प्राचीर' पत्रिका के लिए लगभग 30 शब्दों में लिखिए । 5

17. बढ़ती महँगाई के संबंध में मित्र से हुए वार्तालाप को संवाद के रूप में लगभग 50 शब्दों में लिखिए। 5

18. अपने पुराने घरेलू फर्नीचर को बेचने के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5